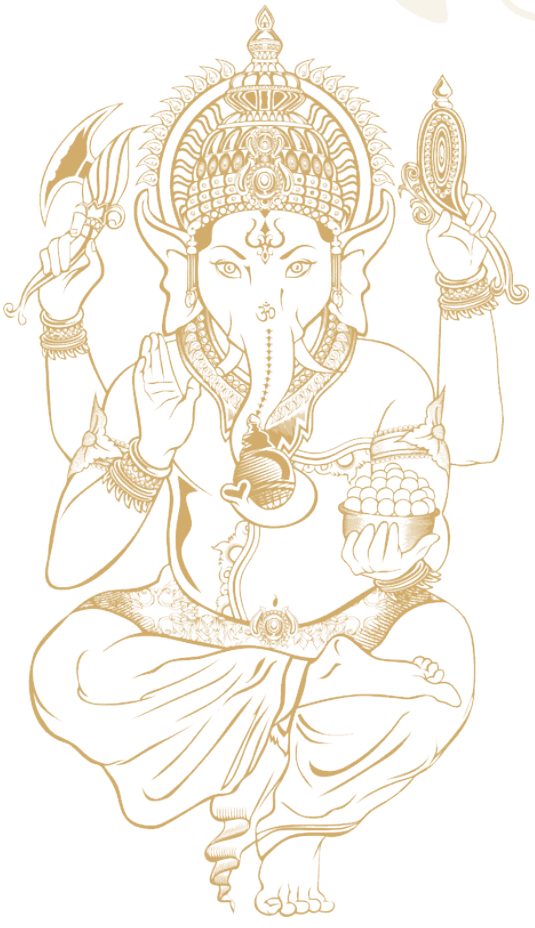

CA Vaibhav

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121867908

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19-20/09/1999 :	जन्म तिथि	: 12/09/1998
रवि-सोमवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 00:20:00 :	जन्म समय	: 18:40:00 घंटे
घटी 45:15:54 :	जन्म समय(घटी)	: 31:13:12 घटी
India :	देश	: India
Jaipur :	स्थान	: Kota
26:53:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:13:38 :	सूर्योदय	: 06:10:53
18:26:05 :	सूर्यास्त	: 18:33:42
23:50:58 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 4वर्ष 0मा 12दि		14:30:31	मिथु	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
मंगल		02:32:19	कन्या	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
02/10/2019		23:58:39	धनु	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
02/10/2026		17:08:46	वृश्चि	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
मंगल	28/02/2020	11:46:15	कन्या	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
राहु	18/03/2021	10:03:24	मेष व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
गुरु	21/02/2022	26:21:17	कर्क	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
शनि	02/04/2023	22:57:15	मेष व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
बुध	29/03/2024	18:15:10	कर्क	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
केतु	26/08/2024	18:15:10	मक	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
शुक्र	26/10/2025	19:27:38	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
सूर्य	03/03/2026	07:53:51	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
चन्द्र	02/10/2026	14:09:53	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

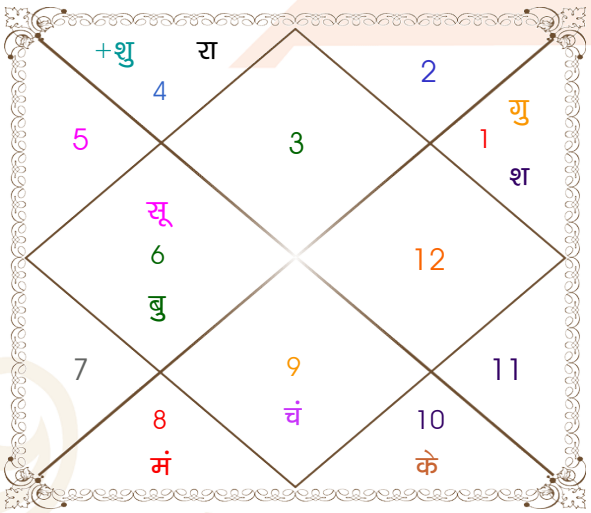

लग्न-चलित

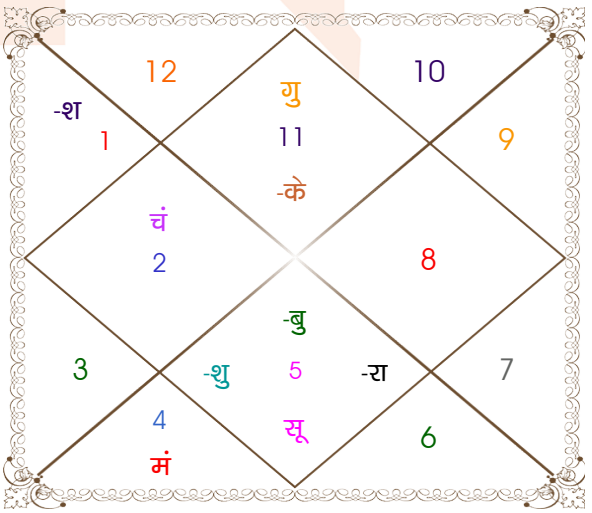

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूV दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ढ। टंपईंअ का वर्ग श्वान है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार ढ। टंपईंअ और V का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ढ। टंपईंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ढ। टंपईंअ तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।